भारत सरकार
पर्यटन मंत्रालय
राज्य सभा
लिखित प्रश्न सं. 3185
गुरूवार, 19 मार्च, 2026/28 फाल्गुन, 1947 (शक)
को दिया जाने वाला उत्तर

महाराष्ट्र में पर्यटन को प्रोत्साहन

3185 डा. मेधा विश्राम कुलकर्णी:

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने हाल के वर्षों में विदेशी पर्यटकों के आगमन में महाराष्ट्र की अग्रणी हिस्सेदारी पर ध्यान दिया है;

(ख) पिछले तीन वर्षों के दौरान स्वदेश दर्शन 2.0, प्रसाद और राज्यों को पूंजी निवेश हेतु विशेष सहायता (एसएएससीआई) के तहत राज्य को प्रदान की गई वित्तीय सहायता का ब्यौरा क्या है;

(ग) पुणे, नासिक और त्र्यंबकेश्वर सहित राज्य में स्वीकृत प्रमुख पर्यटन अवसंरचना परियोजनाओं का ब्यौरा क्या है; और

(घ) विदेशी पर्यटकों के आगमन में वृद्धि को बनाए रखने और महाराष्ट्र के विरासत और उभरते पर्यटन स्थलों को बढ़ावा देने के लिए कौन-से कदम उठाए गए हैं?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क): पिछले रुझानों के आधार पर पर्यटन मंत्रालय के अनुमान के अनुसार, वर्ष 2023 में 3.388 मिलियन और 2022 में 1.512 मिलियन की तुलना में वर्ष 2024 में महाराष्ट्र राज्य में 3.705 मिलियन विदेशी पर्यटक यात्राएं (एफटीवी) दर्ज की गईं, जो कुल संख्या का 17.69% है।

(ख) और (ग): पर्यटन मंत्रालय अपनी विभिन्न योजनाओं के तहत पर्यटन अवसंरचना के विकास के लिए राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों को वित्तीय सहायता प्रदान करता है। पिछले तीन वर्षों के दौरान प्रमुख योजनाओं के तहत महाराष्ट्र को प्रदान की गई वित्तीय सहायता का विवरण निम्नानुसार है:

योजना का नाम	स्वीकृत परियोजनाएं	स्वीकृत राशि (करोड़ रु. में)
स्वदेश दर्शन 2.0	01	76.22
प्रशाद	01	45.41
एसएएससीआई*	02	146.05
सीबीडीडी	01	25

* भारत सरकार द्वारा स्वीकृत

पुणे और नासिक सहित महाराष्ट्र में स्वीकृत प्रमुख पर्यटन अवसंरचना संबंधी परियोजनाएं निम्नानुसार हैं:

1. **पुणे:** स्वदेश दर्शन 2.0 के तहत 76.22 करोड़ रुपये की "शिवसृष्टि ऐतिहासिक थीम पार्क- चरण 3" नामक परियोजना को स्वीकृति दी गई।
2. **नासिक**: एसएएससीआई योजना के तहत 99.14 करोड़ रुपये की "राम-काल पथ का विकास" नामक परियोजना को स्वीकृति दी गई।
3. **त्र्यंबकेश्वर:** प्रशाद योजना के तहत 45.41 करोड़ रुपये की "त्र्यंबकेश्वर का विकास" नामक परियोजना को स्वीकृति दी गई।
4. **सिंधुदुर्ग:** एसएएससीआई योजना के तहत 46.91 करोड़ रुपये की "पूर्व आईएनएस गुल्दार अंतर्जलीय संग्रहालय, कृत्रिम चट्टान और पनडुब्बी पर्यटन" नामक परियोजना को स्वीकृति दी गई।
5. **अहमदनगर:** चुनौती आधारित गंतव्य विकास (सीबीडीडी) उप-योजना के तहत चिह्नित "अहमदनगर किले का विकास" नामक परियोजना के लिए 25.00 करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत की गई।

(घ): पर्यटन मंत्रालय विभिन्न पहलों के माध्यम से वैश्विक बाजारों में भारत का एक समग्र गंतव्य के रूप में संवर्धन करता है, जिसमें निम्नलिखित शामिल हैं:

(i) **अंतर्राष्ट्रीय विपणन:** प्रमुख यात्रा व्यापार प्रदर्शनियों में भागीदारी, पर्यटन रोड शो और भारत खाद्य महोत्सवों का आयोजन करना।

(ii) **आतिथ्य योजना:** विदेशी टूर ऑपरेटरों, मीडिया हस्तियों और इन्फ्लुएंसर्स के लिए परिचायक (एफएएम) दौरों का आयोजन करना।

(iii) **डिजिटल आउटरीच:** "अतुल्य भारत" की आधिकारिक वेबसाइट और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से वैश्विक ब्रांडिंग और प्रचार करना।

(iv) **सतत पर्यटन:** स्थानीय संस्कृति और विरासत को संरक्षित करने के लिए "**ट्रैवल फॉर लाइफ"** कार्यक्रम और 'राष्ट्रीय सतत पर्यटन कार्यनीति' का कार्यान्वयन।

(v) **परामर्श:** विकास संबंधी समस्याओं का निपटान करने और उभरते स्थलों को बढ़ावा देने के लिए महाराष्ट्र सरकार के साथ नियमित बैठकें आयोजित करना।

*****